

28.07.2020

B.N. - Part-1
Economics (Hons.) Paper-1

Dr. Bipin Kumar
Professor (Economics)

JUNE 2020

Cost Curve Analysis - II

R.R.S. College, Pokhara

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

SRAC & (Long run cost curve)

P.P.U. Patna

M T W T F S
Appointments

MAY - TUESDAY

140-226 • WK-21

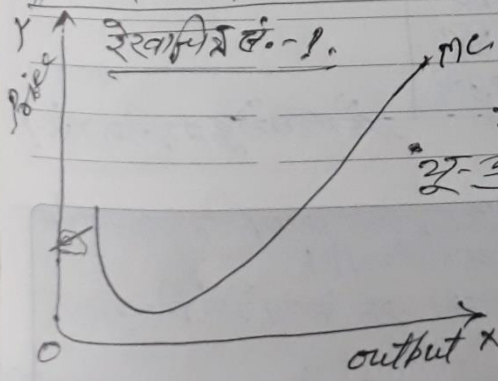
प्रश्न: लागत वक्र पर विचार, अवधारणा, प्रकार, संबंध एवं अल्पकाल में लागत वक्र की संरचना को हीक इससे कहते हैं प्रश्न में किया गया है।

अब हम प्रश्नानुसार, उत्तर की आधारभूत इस प्रकार करेंगे:

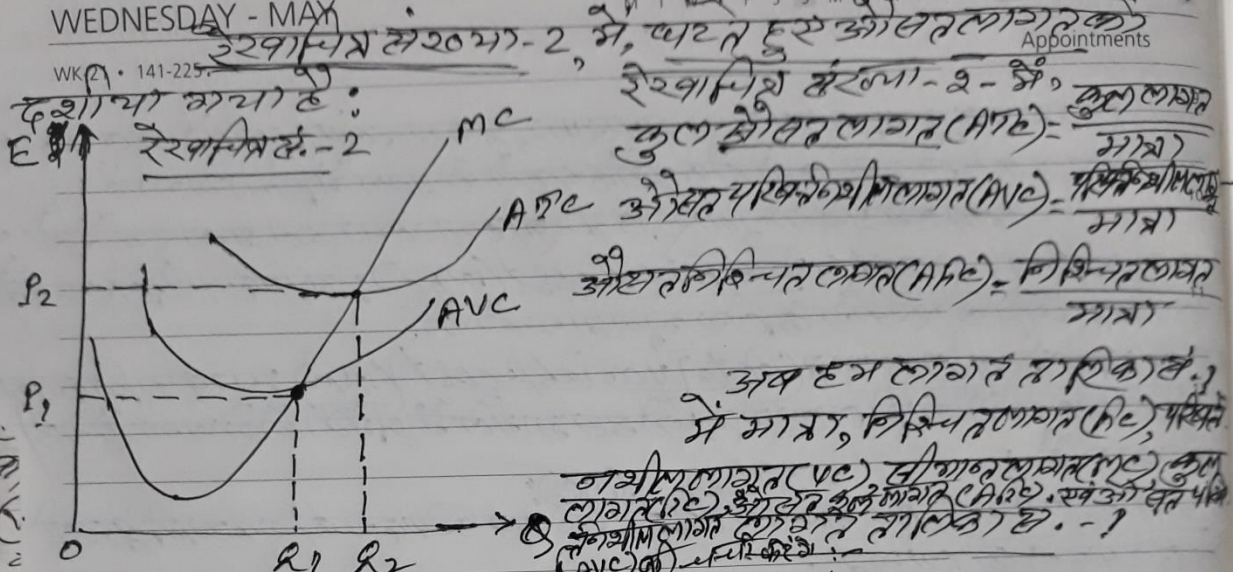
- * कुल निश्चित लागत (Fixed cost (FC)): उत्पादन अल्पकाल में लागत, जैसे कारखाने के लिए भूभाग करना।
- * कुल परिवर्तनीय लागत (Variable cost (VC)): जब उत्पादन इकाई में है उत्पादन में शामिल लागत, जो इस मामले में प्रतिक्रिया को प्रभावित करती लागत है।
- * सीमान्त लागत (Marginal cost (MC)): इसे एक उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन की लागत।

- * कुल लागत (Total cost (TC): इसमें कुल परिवर्तनीय लागत (VC) (AVC) + कुल निश्चित लागत (FC)। औसत कुल परिवर्तनीय लागत (AVC)।
- * औसत परिवर्तनीय लागत (AVC) = $\frac{\text{कुल परिवर्तनीय लागत (VC)}}{\text{मात्रा का उत्पादन}}$
- * औसत कुल लागत (ATC) = $\frac{\text{कुल लागत (TC)}}{\text{मात्रा का उत्पादन}}$

कम समय में लागत: जब बढ़ते हुए मात्रा के कारण अल्पकाल लागत घटता है आकार (U-Shape) का हो जाता है। योडे समय में ही चंपी तब हो जाती है। शक्ति निरंतर बिन्दु के बाद, अतिरिक्त प्रतिक्रिया को खताने से उत्पादन में कमी (विशेष) आती है। इसी स्थिति में जब आप अतिरिक्त प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं, सीमान्त लागत बढ़ जाती है। यह सीमान्त लागत का और स्व-निष्पत्ति स्व-निष्पत्ति है। न, से स्पष्ट है:



रेखाचित्र सं-1 में, अल्पकाल सीमान्त वक्र इस प्रकार से दला हुआ है कि यह गणितीय रूप से औसत लागत वक्र 'यू-आकार' (U-Shape) का होगा। यहाँ हम यह देखते हैं कि मुझे आत में, औसत लागत में विशेष आती है लेकिन जब सीमान्त लागत (MC) औसत लागत (AVC) से ऊपर होती है, तो औसत लागत बढ़ने लगती है। सीमान्त लागत हमेशा औसत लागत वक्र के निम्नतम बिन्दु से गुजरती है।



Q	TC	VC	MC	ATC	AVC
1	200	150	150	350	150
2	200	250	100	225	125
3	200	300	50	167	100
4	200	340	40	135	85
5	200	400	60	120	80
6	200	460	60	110	77
7	200	560	100	109	80
8	200	700	140	113	88
9	200	840	140	116	93
10	200	1100	260	130	110
11	200	1500	400	155	136
12	200	2200	700	200	183

यहाँ दिए गए कालिकाएं!

- से यह स्पष्ट है कि
- * चिखित लागत (AFC) बिबर रहती है। इसलिए आप गिरावट अधिक उत्पीड़न करेंगे, औसत लागत उतनी ही कम होगी।
 - * औसत लागत (ATC) कम करने के लिए हम यह देखते हैं कि कुल लागत (TC) में कितनी वृद्धि की है।
 - * उदाहरण के तौर पर, कालिकाएं - 1 में, तीसरी इकाई 450 से 500 तक कुल लागत (TC) वृद्धि देखती है, इसलिए औसत लागत (ATC) में वृद्धि 50 है।

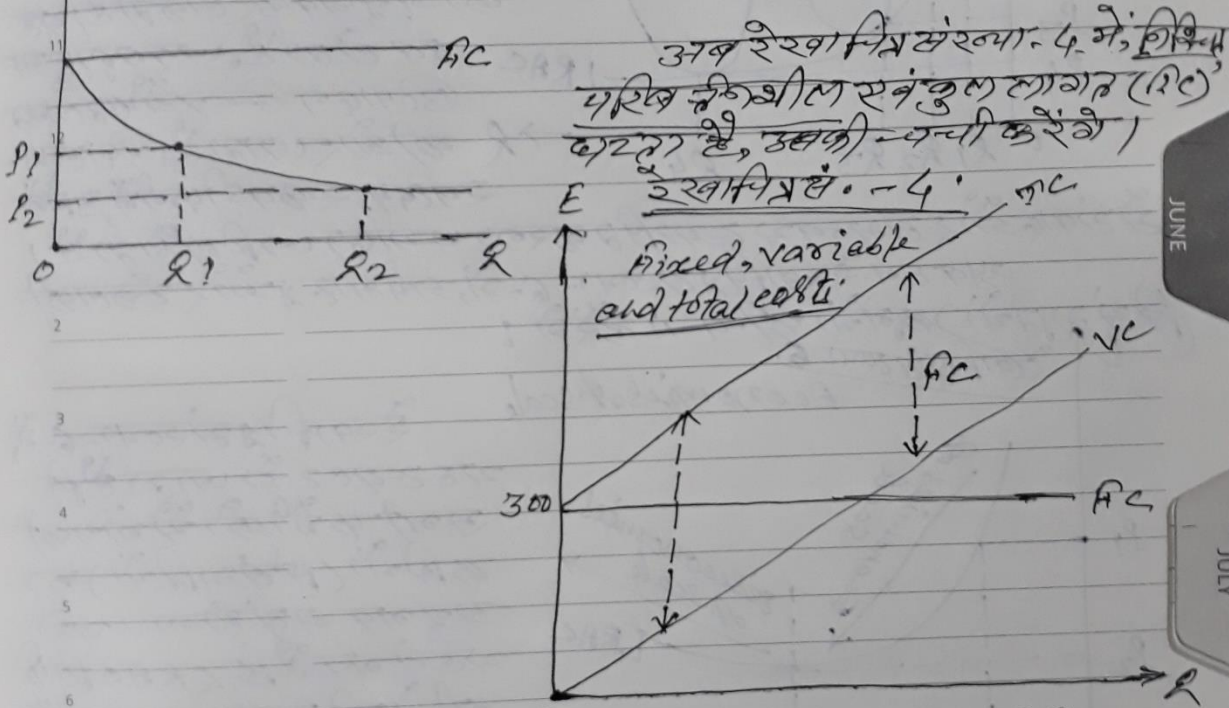
JUNE 2020

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	
22	23	24	25	26	27	28	29	30													
M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	W	T	F	S			

MAY - THURSDAY

* Appointments

मालिका - 1 की 12वीं डकड़ में कुल लावार में 1,200 में 2,400 की वृद्धि होती है, इसलिए बीमार लावार 700 है। अब हम औसत विरिचन लावार (MFC) की चर्चा करेंगे। इसे रेखाचित्र सं. 3 में निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित दिखाया गया है। रेखाचित्र सं. 3 (औसत विरिचन लावार)।



कुल लावार (TC) = परिवर्तनीय लावार (VC) + विरिचन लावार (AFC)

उपरोक्त दीर्घकाल लावार वक्र (Long Run cost curves) की चर्चा करेंगे : दीर्घकाल में, बिना किसी कारणों के चूंकि दीर्घकाल में चलनेवाली लावार घटती है। ऐसा इसलिए है कि दीर्घकाल में सभी प्रकार के औसत लावार के अलावा, यदि किसी फर्म की स्थिति में औसत लावार घटती है, तो आउटपुट बढ़ाने से औसत लावार कम हो सकती है। इसे हम रेखाचित्र संख्या-5, की सहायता से निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित कर सकते हैं :

